दैनिक भास्कर
3/8/14

टोंक भास्कर

पशुओं को बीमारी से बचाने पर रिसर्च हो

आईसीएआर के उप महानिदेशक पाठक ने अविकानगर संस्थान के वैज्ञानिकों को दी सलाह

भास्कर न्यूज | मालपुरा

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के उप महानिदेशक प्रोफेसर के. एम. एल. पाठक ने केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों को कहा है कि वे पशुओं को बीमारियों से बचाने के उपायों की खोज करें जिससे पशुओं की मृत्यु दर में कमी लाई जा सके।

पाठक शनिवार को केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर में आयोजित जठरांत्र परजीविता पर अखिल भारतीय नेटवर्क कार्यक्रम के अंतर्गत 12वीं वार्षिक वैज्ञानिक कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने वैज्ञानिकों से पशुओं में होने वाली परजीवी बीमारियों की जानकारी प्राप्त की। साथ ही वैज्ञानिकों से कहा कि वे अनुसंधान से ऐसी तकनीक विकसित करें जिससे पशुओं में परजीवियों से होने वाली बीमारियों पर तत्काल रोक लगाई जा सके।

उन्होंने विभागवार प्रमुख वैज्ञानिकों से अविकानगर में किए गए ताजा अनुसंधानों की जानकारी ली तथा वर्तमान शोध कार्यों की प्रगति की समीक्षा भी की। प्रोफेसर पाठक ने इस अवसर पर अविकानगर में किए जा रहे अच्छे कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर अविकानगर संस्थान निदेशक डॉ.एस.एम.के. नकवी ने कहा कि नवीन तकनीकों को प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय होना जरूरी है।

मालपुरा. केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर के सभागार में वैज्ञानिकों से शोध कार्यों पर चर्चा करते भारतीय अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के उप महानिदेशक प्रो.के.एम.एल. पाठक

मिक्सर फीडर प्लांट शुरू

मालपुरा। केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर में पशु पौषण विभाग की ओर से निर्मित मिक्सर फीडर प्लांट शुरू किया गया है। प्लांट का शुभारंभ शनिवार को प्रोफेसर के.एम.एल. पाठक ने फीता काट कर किया। संस्थान निदेशक डॉ.एस.एम.के. नकवी व पशु पौषण विभाग के प्रभारी डॉ. साहू ने उप महानिदेशक को आहार प्रौद्योगिकी इकाई की विस्तार से जानकारी दी।

उप महानिदेशक पाठक ने अविकानगर में नीम का पौधा लगा कर पौधारोपण किया। उन्होंने अविकानगर के नवसृजित पीजी हॉस्टल का भी छात्रों के उपयोग के लिए शुभारंभ किया। उप महानिदेशक ने अविकानगर के विभिन्न क्षेत्र का भ्रमण किया। विभिन्न सेक्टरों में रखी अलग अलग प्रजातियों की भेड़ों का अवलोकन किया व भेड़ों पर किए जा रहे अनुसंधान की जानकारी प्राप्त की।

संस्थान को धन की कमी नहीं आने देंगे

मालपुरा। केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के उप महानिदेशक प्रोफेसर के. एम. एल.पाठक ने कहा कि कर्मचारी संस्थान की प्रगति के लिए ईमानदारी व जिम्मेदारी से कार्य करें। उन्होंने बीते कुछ समय संस्थान में किए गए विकास कार्यों की प्रशंसा की।

एक दिवसीय दौरे पर आए उप महानिदेशक पाठक ने कहा कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा अविकानगर संस्थान के विकास में धन की कमी नहीं आने दी जाएगी। लेकिन मजबूती से गुणवत्ता पूर्ण कार्य पूर्ण पारदर्शिता से किए जाने चाहिए। उन्होंने संस्थान के कर्मचारियों व अधिकारियों से उनकी समस्याओं के बारे में पूछा और उन्हें भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं पर सकारात्मक रुख अपनाया जाएगा।

राजस्थान पत्रिका
3/8/14

वैज्ञानिक नई तकनीक विकसित करें

मालपुरा
jaipur@patrika.com

केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर के सभागार में अखिल भारतीय नेटवर्क कार्यक्रम पर वार्षिक वैज्ञानिक संगोष्ठी हुई। इसमें भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उपमहानिदेशक प्रोफेसर के. एन. एम. एल. पाठक ने कहा कि सभी वैज्ञानिकों को देश एवं संस्थान की प्रगति के लिए सकारात्मक सोच रखते हुए एकजुट होकर कार्य करना चाहिए, ताकि अनुसंधान कार्यों में सफलता के नए आयाम स्थापित हो सके। वहीं वैज्ञानिकों को चाहिए कि वे पशुपालकों के लिए अनुसंधान के द्वारा ऐसी तकनीक विकसित करे, जिससे पशुओं में परजीवियों से होने वाली बीमारियों की रोकथाम की जा सके तथा उनमें होने वाली मृत्यु दर को भी कम किया जा सके। संस्थान निदेशक डॉ. एस. एम. के. नकवी ने संस्थान की प्रगति एवं अनुसंधान कार्यों की प्रगति रिपोर्ट पेश की। बैठक में देश के विभिन्न संस्थानों एवं कृषि विश्वविद्यालयों में चल रहे आंत्रशोथ परजीवियों पर अखिल भारतीय नेटवर्क कार्यक्रम के 22 मुख्य अन्वेषकों एवं सह अन्वेषकों ने भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने संस्थान द्वारा प्रकाशित हिन्दी पत्रिका अभिपुंज-2013 एवं अन्य प्रकाशनों का विमोचन किया। संचालन सहायक निदेशक राजभाषा मुरारीलाल गुप्ता ने किया तथा डॉ. आर्त बंधु साहू ने आभार व्यक्त किया।